नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 094
दि. 02.08.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

प्रधानमंत्री मोदी का 51वां काशी दौरा, 52 प्रोजेक्ट करेंगे लॉन्च, किसानों को देंगे 20,500 करोड़ की सौगात

नई दिल्ली, (जीएनएस)।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे, जहां वो करीब 2,183.45 करोड़ रुपये की लागत वाली 52 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे. रक्षाबंधन से पहले सावन के महीने में उनका यह दौरा पूर्वांचल के विकास को नई गति देगा.

जिन परियोजनाओं का पीएम शिलान्यास करेंगे उसमें सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, पर्यटन और शहरी विकास से जुड़े कार्य शामिल हैं. इनमें सड़क चौड़ीकरण, अस्पतालों का उन्नयन, शैक्षणिक संस्थानों का विस्तार, पेयजल और सफाई योजनाएं, खेल आधारभूत ढांचे का विकास, होम्योपैथिक कॉलेज की स्थापना, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए घाटों का निर्माण, विद्युत और पार्किंग सुविधाएं, तालाबों का पुनर्निर्माण और पुस्तकालय, पशु चिकित्सालय और डॉग केयर सेंटर शामिल हैं.

पीएम मोदी इस अवसर पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त भी जारी करेंगे, जिसके तहत देशभर के 9.70 करोड़ से अधिक किसानों को 20,500 करोड़ सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किए जाएंगे. इसके साथ ही दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे.

सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के बनौली (कालिका धाम) गांव में विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी,

जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे. बीजेपी का दावा है कि इस सभा में 50,000 से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं. महिलाओं, किसानों, बुद्धिजीवियों, मीडिया और विशेष रूप से सक्षम लोगों के लिए अलग-अलग ब्लॉक बनाए गए हैं.

सुबह 10 बजे वाराणसी पहुंचेंगे पीएम मोदी

यह प्रधानमंत्री मोदी का काशी का 51वां दौरा होगा. वो सुबह 10 बजे के आसपास लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचेंगे और वहां से हेलिकॉप्टर से जनसभा स्थल जाएंगे. इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें रिसीव करेंगे. वाराणसी में इस दौरे को लेकर जबरदस्त तैयारियां की जा रही हैं. शहर भर में 1,000 से अधिक होर्डिंग्स, भाजपा के झंडे और स्वागत तोरण द्वार लगाए गए हैं.

पीएम मोदी के दौरे से पहले सीएम योगी पहुंचे वाराणसी, काशी विश्वनाथ के किए दर्शन

वाराणसी (जीएनएस)।

पीएम मोदी के दौरे से पहले सीएम योगी पहुंचे वाराणसी, काशी विश्वनाथ के किए दर्शन गौरतलब है कि पीएम नरेन्द्र मोदी शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर हैं. ऑपरेशन सिंदूर के बाद वे पहली बार अपने वोटरों के बीच होंगे. इसलिए बीजेपी कार्यकताओं ने भी उनके स्वागत की जबरदस्त तैयारी की है. करोड़ों रुपयों के परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ ही पीएम मोदी काशी में एक जनसभा भी करेंगे. वाराणसी रवाना होने से पहले उन्होंने देश के नाम एक संदेश भी जारी किया है. सोशल मीडिया में पीएम ने लिखा है काशी के मेरे परिवारजनों के लिए कल 2 अगस्त का दिन बहुत विशेष है. सुबह करीब 11 बजे शिक्षा, स्वास्थ्य, स्पोर्ट्स, टूरिज्म और कनेक्टिविटी से जुड़े कई प्रोजेक्ट का उद्घाटन और शिलान्यास करूंगा. इस अवसर पर पीएम-किसान की 20वीं किस्त जारी करने का भी सौभाग्य मिलेगा.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे में कोई कमी न रहे इसके लिए सीएम योगी आदित्यनाथ जुटे हुए हैं. वे

शुक्रवार को ही काशी पहुंच गए. सीएम योगी ने देर शाम काल भैरव और काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया. यह उनकी सावन मास में बाबा विश्वनाथ के दरबार में तीसरी बार हाजिरी रही. इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख और समृद्धि की कामना की. सीएम योगी शनिवार को प्रधानमंत्री की वाराणसी एयरपोर्ट पर अगवानी करेंगे. इसके पहले वह उनके कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार सुबह वाराणसी के सेवापुरी ब्लॉक के बनौली गांव में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे.

इस दौरान वह करीब 2200 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे. बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए वाराणसी पहुंच चुके हैं.

संक्षिप्त समाचार

डॉ. मयंक शर्मा ने वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवा) का पदभार ग्रहण किया

डॉ. मयंक शर्मा ने 01 अगस्त, 2025 को वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवा) का पदभार ग्रहण कर लिया है। वे भारतीय रक्षा लेखा सेवा के 1989 बैच के अधिकारी हैं और उन्होंने तीन दशक से

अधिक लम्बे अपने करियर में रक्षा लेखा महानियंत्रक सहित सरकार के लिए विभिन्न पदों पर सेवाएं दी हैं। डॉ. मयंक शर्मा ने मंत्रिमंडल सचिवालय में अवर सचिव, उप सचिव और संयुक्त सचिव के पद पर भी कार्य किया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय, संयुक्त राष्ट्र अपराध रोकथाम और आपराधिक न्याय आयोग, व संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून आयोग में वैकल्पिक स्थायी प्रतिनिधि के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

श्री राज कुमार अरोड़ा ने रक्षा लेखा महानियंत्रक का पदभार ग्रहण किया

श्री राज कुमार अरोड़ा ने 01 अगस्त, 2025 को रक्षा लेखा महानियंत्रक का पदभार ग्रहण कर लिया है। वे 1990 बैच के भारतीय रक्षा लेखा सेवा अधिकारी हैं।

उन्हें वित्तीय नीति, लेखांकन, लेखा परीक्षा, बजट, खरीद और कार्मिक मामलों के क्षेत्रों में काफी अनुभव है। श्री राज कुमार अरोड़ा ने यूपीएससी में अपर सचिव, रक्षा मंत्रालय के अधिग्रहण कोर में वित्त प्रबंधक (वायु) और वित्त मंत्रालय में निदेशक के रूप में सरकारी सेवा हेतु प्रतिष्ठित पद संभाले हैं। उन्होंने विभिन्न कमानों के साथ-साथ रक्षा लेखा विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों में एकीकृत वित्तीय सलाहकार के रूप में भी कार्य किया है।

बीएसएनएल ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक महीने के लिए मुफ्त 4जी सेवाएं देने के लिए 'फ्रीडम प्लान' पेश किया

भारत की विश्वसनीय सरकारी दूरसंचार कंपनी, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने आज अपना

बहुप्रतीक्षित एक सीमित अवधि का 1 रुपए वाला ऑफर, 'फ्रीडम प्लान' लॉन्च किया है, जिसमें उपभोक्ताओं को पूरे एक महीने के लिए बीएसएनएल की 4 जी मोबाइल सेवाओं का इस्तेमाल करने का मौका मिलता है। यह पहल बीएसएनएल द्वारा भारत के स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में शुरू की गई है और ये नागरिकों को भारत की स्वदेशी रूप से विकसित 4जी तकनीक का बगैर किसी शुल्क के अनुभव करने का अवसर प्रदान करती है।

बिहार में प्रारूप मतदाता सूची आज जारी कर दी गई है

चुनाव आयोग द्वारा बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के पहले चरण(गणना चरण) के सफल समापन के उपरांत आज दिनांक 1 अगस्त, 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। यह सूची ऑनलाइन पोर्टल

पर उपलब्ध है, साथ ही बिहार के सभी 38 ऊट२ ने सभी 243 विधान सभा क्षेत्रों के सभी 90,712 बूथों की प्रारूप मतदाता सूची भी सभी राजनैतिक दलों से आज 1 अगस्त को साझा कर दी गई है ।

मुख्य बिंदुः चुनाव आयोग का अतुलनीय, पारदर्शी एवं निष्पक्ष टीम वर्क की मिसालः हर गाँव, हर वार्ड, हर घर तक पहुँचने तथा प्रत्येक योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के प्रयासों के अंतर्गत बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (CEO)।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान दिल्ली में आयोजित 'मेघालय अनानास महोत्सव-2025'में शामिल हुए

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज दिल्ली में आयोजित 'मेघालय अनानास महोत्सव-2025'में शामिल हुए। इस अवसर पर मेघालय के मुख्यमंत्री श्री कॉनराड के. संगमा सहित केंद्र और राज्य के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत में अनानास से संबंधित विभिन्न समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने 'कृषि क्षेत्र में मेघालय की प्रगति'से जुड़ी एक संदर्भ पुस्तिका का विमोचन किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि मेघालय के अनानास स्वाद और गुणवत्ता की दृष्टि से विशिष्ट हैं । मेघालय के किसान, वहां के लोग ईमानदारी से अथक प्रयास कर रहे हैं, जिसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। चाहे फल हो, मसाले हो, हल्दी, अदरक, कॉफी, चाय, कटहल, मशरूम या अन्य विभिन्न कृषि उत्पाद, सभी की गुणवत्ता उच्च और अद्भुत है। मेघालय के अधिकतर उत्पाद जैविक हैं, जिनका प्रमोशन किया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर के उत्पादों के राज्य से बाहर और विदेशों में निर्यात के लिए केंद्र सरकार, राज्य के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेगी। इस काम में प्राइवेट सेक्टर की भूमिका भी अहम है और यह प्रसन्नता की बात है कि राज्य सरकार समझौता ज्ञापन के माध्यम से इस दिशा में बल दे रही है। आगे, श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए कटिबद्ध हैं । कृषि के साथ-साथ सभी विकास कार्यों में केंद्र सरकार द्वारा मेघालय की पूरी मदद की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर में राज्य स्तरीय 'पीएम किसान उत्सव दिवस' का आयोजन किया जाएगा

गांधीनगर, 01 अगस्त 2025 :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरक उपस्थिति में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कल राष्ट्रीय स्तर का "प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस" कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के किसानों से संवाद कर, संबोधन करेंगे और किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 20वीं किस्त जारी करेंगे।

तदनुसार, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में कल 2 अगस्त को गांधीनगर में राज्य स्तरीय "प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस" कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

जबकि, कृषि मंत्री श्री राघवजी

पटेल की अध्यक्षता में राजकोट में जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा। राज्य और जिला स्तरीय समारोहों में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लाइव प्रसारण के माध्यम से किसानों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे।

कृषि मंत्री श्री राघव पटेल ने इस संबंध में बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से पीएम किसान योजना की 20वीं किस्त के तहत देशभर के 9.7 करोड़ से अधिक किसानों को 20,500 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि वितरित की जाएगी।

जिसमें से गुजरात के 52.16 लाख से अधिक किसान परिवारों को 1,118 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जाएगी।

राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री के करकमलों से पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता राशि वितरित की जाएगी और प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा ।

इसके अलावा, गुजरात के हर ज़िले में "पीएम किसान उत्सव दिवस" का आयोजन किया गया है। साथ ही, राज्य की ग्राम पंचायतों और 30 कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

राज्य भर में आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों, सांसदों और विधायकों सहित पदाधिकारियों और अधिकारियों के अलावा, 2.5 लाख से अधिक किसान उपस्थित रहेंगे।

यहां यह उल्लेखनीय है कि पीएम-किसान योजना के अंतर्गत भारत में अब तक 19 किस्तों के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को कुल 3.69 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए जा चुके हैं। जिसके अंतर्गत गुजरात के लाभार्थी किसान परिवारों को 19 किस्तों के माध्यम से अभी तक कुल 19,993 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान बैंक खातों में किया गया है।

केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने आईजीओटी कर्मयोगी समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

मिशन कर्मयोगी के तहत मत्स्य पालन क्षेत्र में डिजिटल कौशल विकास में तेजी देखी गई

(जीएनएस)।

मत्स्य पालन विभाग के लिए आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर समीक्षा बैठक 1 अगस्त 2025 को नई दिल्ली के कृषि भवन, में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय, श्री राजीव रंजन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय के राज्य मंत्री, प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री, श्री जॉर्ज कुरियन, सचिव (मत्स्य पालन), डॉ. अभिलक्ष लिखी और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

मत्स्य पालन और मत्स्य विकास मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार श्री अजय श्रीवास्तव ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी। इसमें आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म से सम्बंधित उपयोगकर्ता जुड़ाव, फीडबैक और प्लेटफॉर्म एनालिटिक्स के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। मिशन कर्मयोगी के तहत प्रमुख डिजिटल लर्निंग पहल के रूप में, यह प्लेटफॉर्म देश भर में मत्स्य कर्मियों की क्षमता निर्माण और कौशल बढ़ाने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहा है। विभाग ने मुख्यालय स्तर पर 100 प्रतिशत और अधीनस्थ कार्यालयों में 85 प्रतिशत ऑनबोर्डिंग हासिल कर ली है। शेष लक्ष्य जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ने अब तक हुई प्रगति की सराहना की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द पूर्ण कवरेज हासिल किया जाए।

वाइस एडमिरल सीआर प्रवीण नायर, एवीएसएम, एनएम, ने कार्मिक सेवा नियंत्रक के रूप में कार्यभार संभाला

(जीएनएस)।

वाइस एडमिरल सीआर प्रवीण नायर, एवीएसएम, एनएम ने 31 जुलाई 2025 को कार्मिक सेवा नियंत्रक (सीपीएस) के रूप में पदभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने पर, फ्लैग ऑफिसर ने नई दिल्ली के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में श्रद्धांजलि अर्पित की।

वीएडीएम सीआर प्रवीण नायर को 01 जुलाई, 1991 को भारतीय नौसेना में कमीशन किया गया था। एक सर्फेस वॉरफेयर ऑफिसर के रूप में वह संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने तीन दशकों से अधिक के अपने प्रतिष्ठित नौसैनिक करियर में कई तरह की कमान, प्रचालनगत और स्टाफ नियुक्तियां की हैं। फ्लैग ऑफिसर के विशिष्ट कार्यकाल आईएनएस कृष्णा, कोरा और मैसूर पर रहे। उन्होंने फ्लीट इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर ऑफिसर और

उसके बाद पश्चिमी बेड़े के फ्लीट कम्युनिकेशंस ऑफिसर के रूप में कार्य किया। फ्लीट कम्युनिकेशन ऑफिसर के रूप में, जुलाई 2006 में इजरायल-लेबनान युद्ध के दौरान बेरूत से भारतीय नागरिकों की गैर-संघर्षपूर्ण निकासी में उनकी भूमिका के लिए उन्हें नौसेनाध्यक्ष की प्रशंसा से सम्मानित किया गया था।

फ्लैग ऑफिसर ने मिसाइल कोर्वेट आईएनएस किर्च, गाइडेड मिसाइल विध्वंसक आईएनएस चेन्नई और विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य की कमान संभाली है। उनकी ऑफशोर नियुक्तियों में प्रतिष्ठित नेवल वॉर कॉलेज, गोवा में डायरेक्टिंग स्टाफ, सिग्नल स्कूल में ऑफिसर-इन-चार्ज और नौसेना मुख्यालय के कार्मिक निदेशालय में कमोडोर (कार्मिक) के पद शामिल हैं। वे तीन वर्षों से अधिक समय तक भारतीय नौसेना के प्रमुख थिंक टैंक, भारतीय नौसेना सामरिक एवं परिचालन परिषद (आईएनएसओसी) के सदस्य भी रहे हैं।

11 अगस्त से भावनगर टर्मिनस से अयोध्या कैंट के बीच साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन

माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी 03 अगस्त, 2025 को भावनगर टर्मिनस से भावनगर टर्मिनस-अयोध्या केंट एक्सप्रेस तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रीवा-पुणे (हड़पसर) और जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस उद्घाटक ट्रेनों का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे।

यात्रियों की मांग एवं उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा पश्चिम रेलवे के भावनगर टर्मिनस स्टेशन से भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या के लिए 11 अगस्त, 2025 से प्रति सोमवार भावनगर टर्मिनस और अयोध्या कैंट के बीच साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। भावनगर-अयोध्या केंट एक्सप्रेस ट्रेन का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

ट्रेन नंबर 19201/19202 भावनगर-अयोध्या कैंट-भावनगर साप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन नंबर 19201 भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 11 अगस्त, 2025 (सोमवार) को भावनगर टर्मिनस से दोपहर 13.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18.30 बजे अयोध्या कैंट स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में, ट्रेन नंबर 19202 अयोध्या कैंट-भावनगर साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 12 अगस्त, 2025 (मंगलवार) को अयोध्या कैंट स्टेशन से रात्रि 22.30 बजे प्रस्थान करेगी और गुरूवार को प्रातः 04.45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर परा, सिहोर, धोला, बोटाद, लींबडी, सुरेन्द्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाना, पालनपुर जंक्शन, आबूरोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर जंक्शन, किशनगढ़, जयपुर जंक्शन, गांधीनगर जयपुर, बाँदीकुई जंक्शन, भरतपुर जंक्शन, ईदगाह, टूण्डला जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ एवं बाराबंकी जंक्शन स्टेशनों पर रूकेगी। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी, शयनयान, थर्ड एसी, थर्ड एसी इकोनॉमी एवं सेकंड एसी के कोच होंगे।

ट्रेन नंबर 19201 की बुकिंग 03.08.2025 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। इस ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अहमदाबाद मंडल के लोकोमोटिव शेड, साबरमती में मॉक ड्रिल का आयोजन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर लोकोमोटिव शेड, साबरमती में एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

इस मॉक ड्रिल के अंतर्गत सिविल डिफेंस टीम द्वारा एक सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शेड के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में किए जाने वाले उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में घायलों को त्वरित सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

इस मॉक ड्रिल के दौरान आग पर नियंत्रण पाने का लाइव प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें यह बताया गया कि ड्राय केमिकल पाउडर एवं उड$_2$ अग्निशमन यंत्र का उपयोग कर आग पर किस प्रकार नियंत्रण पाया जा सकता है।

इस मॉक ड्रिल में कुल 04 अधिकारी एवं 140 से अधिक कर्मचारी उपस्थित रहे। इस मोकड्रिल का उद्देश्य कर्मचारियों में आपदा प्रबंधन तथा अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

पश्चिम रेलवे चलाएगी बांद्रा टर्मिनस-ओखा के बीच स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा को मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और ओखा स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:

- ट्रेन संख्या 09077/09078 बांद्रा टर्मिनस - ओखा स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09077 बांद्रा टर्मिनस-ओखा स्पेशल गुरुवार और रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 21:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.25 बजे अहमदाबाद एवं 16:45 बजे ओखा पहुँचेगी। यह ट्रेन 14 और 17 अगस्त, 2025 को चलेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09078 ओखा-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शनिवार और मंगलवार को ओखा से 08:20 बजे प्रस्थान करेगी और 17.05 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी तथा अगले दिन 04:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 और 19 अगस्त, 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, नडियाद, अहमदाबाद, विरमगाम, सुरेंद्रनगर, वांकानेर, राजकोट, जामनगर और द्वारका स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी - 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09077 एवं 09078 की बुकिंग 3 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। इन ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मनीला, फिलीपींस की यात्रा पर भारतीय नौसेना के जहाज, दक्षिण पूर्व एशिया में समुद्री सहयोग को मजबूत करेंगे

(जीएनएस)।

दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय नौसेना की चल रही परिचालन तैनाती के हिस्से के रूप में, पूर्वी बेड़े के भारतीय नौसेना जहाज आईएनएस दिल्ली, शक्ति और किल्टन मनीला, फिलीपींस पहुंचे। इन जहाजों की कमान पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग आरएडीएम सुशील मेनन के हाथों में है।

फिलीपींस की नौसेना के कर्मियों ने इन जहाजों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इससे भारत और फिलीपींस के बीच मजबूत और बढ़ते समुद्री संबंधों को बल मिला। यह यात्रा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत करने की भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

रियर एडमिरल सुशील मेनन ने वहां पहुंचने पर स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत की और स्थिरता एवं समुद्री सुरक्षा बनाए रखने के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने मित्र समुद्री बलों के बीच समझ, विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देने में ऐसी तैनाती के महत्व पर जोर दिया।

वडोदरा मंडल पर 'स्वतंत्रता दिवस समारोह-2025' के अंतर्गत स्वच्छता अभियान का शुभारंभ

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल पर 'स्वतंत्रता दिवस समारोह-2025' के उपलक्ष्य में दिनांक 1 अगस्त से 15 अगस्त, 2025 तक एक विशेष 'स्वच्छता अभियान' का आयोजन किया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान, मंडल के विभिन्न स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों और कार्यालयों में स्वच्छता जागरूकता और विशेष सफाई अभियान चलाए जाएंगे। अभियान की शुरूआत वडोदरा मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने सभी रेल कर्मचारियों और अधिकारियों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने की शपथ दिलाकर की। श्री भडके ने रेलकर्मियों से हर वर्ष 100 घंटे यानी प्रति सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करने और दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का आ'ान किया, ताकि पूरे देश को स्वच्छ बनाने में मदद मिल सके।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मंडल क्षेत्र में स्वच्छता सुनिश्चित करना है, जिसमें विशेष रूप से रेलवे पटरियों और उनके आस-पास के क्षेत्रों से कचरा हटाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

अहमदाबाद मंडल पर स्वतंत्रता दिवस समारोह-2025 के अंतर्गत स्वछता अभियान का शुभारंभ

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर 'स्वतंत्रता दिवस समारोह'2025 के अंतर्गत 1 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक 'स्वछता अभियान'का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत मंडल क्षेत्र में विभिन्न स्वच्छता जागरूकता और सफाई अभियान चलाए जाएंगे।

अपर मण्डल रेल प्रबंधक श्रीमती मंजू मीणा ने रेल कर्मचारियों एवं अधिकारियों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने और हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करने तथा अन्य व्यक्तियों को भी शपथ दिलाकर स्वच्छता के प्रतिजागरूक कर पूरे देश को स्वच्छ बनाने में मदद करने 'की शपथ दिलाई।

इस अभियान के तहत मण्डल पर स्वच्छता सुनिश्चित करने और रेल पटरियों तथा उसके आसपास से, कचरा हटाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

भीड़भाड़ की स्थिति का सामना करने वाले 73 प्रमुख स्टेशनों पर एक स्टेशन निदेशक नियुक्त किया जाएगा

(जीएनएस)।

भारतीय रेलवे ने रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ को संभालने के लिए निम्नलिखित कार्य योजना बनाई है: -

73 चिन्हित स्टेशनों पर स्थायी होल्डिंग क्षेत्रों का निमार्ण:

2024 के त्यौहारी सीजन के दौरान, स्टेशनों के बाहर होल्डिंग एरिया बनाए गए थे। सूरत, उधना, पटना और नई दिल्ली में ये प्रतीक्षालय बड़ी भीड़ को संभालने में सक्षम थे। यात्रियों को केवल तभी प्रवेश दिया जाता था जब ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आती थी।

महाकुंभ के दौरान प्रयाग क्षेत्र के नौ स्टेशनों पर भी ऐसी ही व्यवस्था की गई थी।

इन स्टेशनों के अनुभव के आधार पर, देश भर के 73 स्टेशनों पर, जहाँ समय-समय पर भारी भीड़ होती है, स्टेशनों के बाहर स्थायी प्रतीक्षालय बनाने का निर्णय लिया गया है। प्रतीक्षालय के भीतर भीड़ को नियंत्रित किया जाएगा। यात्रियों को केवल तभी प्लेटफार्म पर जाने की अनुमति होगी जब ट्रेनें प्लेटफार्म पर आएँगी। इससे प्लेटफार्म पर भीड़ कम होगी।

नई दिल्ली, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और गाजियाबाद स्टेशनों पर पायलट परियोजनाएं शुरू हो चुकी हैं।

प्रवेश नियंत्रण:

73 चिन्हित स्टेशनों पर पूर्ण प्रवेश नियंत्रण शुरू किया जाएगा।

कन्फर्म आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर सीधे प्रवेश दिया जाएगा।

बिना टिकट वाले या प्रतीक्षा सूची वाले यात्री बाहरी प्रतीक्षालय में प्रतीक्षा करेंगे।

सभी अनाधिकृत प्रवेश बिंदुओं को सील कर दिया जाएगा।

चौड़े फुट-ओवर-ब्रिज (एफओबी):

12 मीटर चौड़े (40 फीट) और 6 मीटर चौड़े (20 फीट) मानक चौड़े फुट- ओवर- ब्रिज एफओबी के दो नए डिजाइन विकसित किए गए हैं। रैंप युक्त ये चौड़े एफओबी महाकुंभ के दौरान भीड़ प्रबंधन में बेहद कारगर रहे। ये नए मानक चौड़े एफओबी सभी स्टेशनों पर लगाए जाएँगे।

कैमरे:

महाकुंभ के दौरान कैमरों ने भीड़ प्रबंधन में बड़े पैमाने पर मदद की। रेलवे स्टेशनों और आसपास के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे रेलवे स्टेशनों पर भीड़ की कड़ी निगरानी और प्रबंधन में सहायक होंगे।

युद्ध कक्ष:

बड़े स्टेशनों पर वॉर रूम विकसित किए जाएंगे। भीड़भाड़ की स्थिति में सभी विभागों के अधिकारी वॉर रूम में काम करेंगे।

नई पीढ़ी के संचार उपकरण:

सभी अत्यधिक भीड़ वाले स्टेशनों पर वॉकी-टॉकी, उद्घोषणा प्रणाली, कॉलिंग सिस्टम जैसे नवीनतम डिजाइन के डिजिटल संचार उपकरण लगाए जाएंगे।

नये डिजाइन का आईडी कार्ड:

सभी कर्मचारियों और सेवाकर्मियों को नए डिजाइन का आईडी कार्ड दिया जाएगा ताकि केवल अधिकृत व्यक्ति ही स्टेशन में प्रवेश कर सकें।

8. कर्मचारियों के लिए नई डिजाइन की वर्दी:

सभी कर्मचारियों को नई डिजाइन की वर्दी दी जाएगी ताकि संकट की स्थिति में उनकी आसानी से पहचान की जा सके।

9. स्टेशन निदेशक पद का उन्नयन:

सभी प्रमुख स्टेशनों पर एक वरिष्ठ अधिकारी स्टेशन निदेशक के रूप में कार्यरत होंगे। अन्य सभी विभाग स्टेशन निदेशक को रिपोर्ट करेंगे।

स्टेशन निदेशक को वित्तीय अधिकार दिए जाएँगे ताकि वे स्टेशन के सुधार के लिए तत्काल निर्णय ले सकें।

10. क्षमता के अनुसार टिकटों की बिक्री:

स्टेशन निदेशक को स्टेशन और उपलब्ध ट्रेनों की क्षमता के अनुसार टिकटों की बिक्री को नियंत्रित करने का अधिकार होगा।

इसके अलावा, स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अन्य हितधारकों के साथ समन्वय में निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं :-

भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए जीआरपी/ राज्य पुलिस और संबंधित रेलवे विभागों के साथ समन्वय किया जाता है।

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मचारियों को भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने और यात्रियों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया जाता है।

भारी भीड़ के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति से बचने और यात्रियों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने हेतु जीआरपी और आरपीएफ कर्मचारियों को फुट-ओवर ब्रिज पर तैनात किया जाता है।

भीड़ के बारे में सूचना एकत्र करने के लिए खुफिया इकाइयों (अपराध खुफिया शाखा (सीआईबी)/ विशेष खुफिया शाखा (एसआईबी)) और सादे कपड़ों में कर्मचारियों को तैनात किया गया है और तदनुसार जीआरपी/ पुलिस को शामिल करते हुए व्यवस्था की गई है।

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में सुधार के लिए उठाए गए कदम

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम घटक को 767 जिलों में कार्यान्वयन के लिए मंजूरी दी गई है

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तृतीयक देखभाल घटक के तहत, मानसिक स्वास्थ्य विशिष्टसताओं में स्नातकोत्तर विभागों में छात्रों का प्रवेश बढ़ाने और तृतीयक स्तर की उपचार सुविधाएं प्रदान करने के लिए 25 उत्कृष्टता केंद्रों को मंजूरी दी गई

36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने 53 टेली मानस प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और टेली मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं आरंभ की हैं; हेल्पलाइन नंबर पर 23,82,000 से अधिक कॉलों का समाधान किया गया

(जीएनएस)।

सरकार देश में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी) का क्रियान्वयन कर रही है। एनएमएचपी के जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) घटक को 767 जिलों में क्रियान्वयन हेतु स्वीकृत किया गया है, जिसके लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सहायता प्रदान की जाती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) स्तर पर डीएमएचपी के अंतर्गत उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं में बा' रोगी सेवाएं, मूल्यांकन, परामर्श/मनो-सामाजिक युक्तियां, गंभीर मानसिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों की निरंतर देखभाल और सहायता, दवाइयां, आउटरीच सेवाएं, एम्बुलेंस सेवाएं आदि शामिल हैं। उपरोक्त सेवाओं के अतिरिक्त, जिला स्तर पर 10 बिस्तरों वाली आंतरिक रोगी सुविधा केंद्र का प्रावधान है।

एनएमएचपी के तृतीयक देखभाल घटक के अंतर्गत, मानसिक स्वास्थ्य विशिष्टताओं में स्नातकोत्तर विभागों में छात्रों की संख्या बढ़ाने और तृतीयक स्तर की उपचार सुविधाएं प्रदान करने के लिए 25 उत्कृष्टता केंद्रों को मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य विशिष्टताओं में 47 स्नातकोत्तर विभागों को सुदृढ़ करने के लिए 19 सरकारी मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों को भी सहायता प्रदान की है।

भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्तमान में, 69 संस्थानों/विश्वविद्यालयों को नैदानिक मनोविज्ञान में एम.फिल., व्यावसायिक डिप्लोमा, साइकोलॉजी में डॉक्टरेट (डॉक्टर ऑफ साइकोलॉजी) जैसे पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए आरसीआई द्वारा अनुमोदित किया गया है और 9 संस्थानों/विश्वविद्यालयों को पुनर्वास मनोविज्ञान में एम.फिल. (पुनर्वास मनोविज्ञान) जैसे पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए आरसीआई द्वारा अनुमोदित किया गया है। परिषद ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 से नैदानिक मनोविज्ञान में दो और प्रोग्राम, अर्थात बी.एससी. (नैदानिक मनोविज्ञान) और एमए (नैदानिक मनोविज्ञान) भी आरंभ किए हैं।

सरकार डिजिटल अकादमियों के माध्यम से सामान्य स्वास्थ्य देखभाल चिकित्सा और पैरा मेडिकल पेशेवरों की विभिन्न श्रेणियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करके देश के वंचित क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए श्रमबल की उपलब्धता भी बढ़ा रही है।

मानसिक बीमारी के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए, समुदाय, स्कूलों, कार्यस्थलों में सामुदायिक भागीदारी के साथ सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) कार्यकलाप और जागरूकता सृजन कार्यकलाप एनएमएचपी के अभिन्न अंग हैं।

जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत देश के 767 जिलों में कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य मानसिक बीमारियों का पता लगाना, उनका प्रबंधन करना और उनका उपचार करना है। इसके प्रमुख घटकों में स्कूलों और कॉलेजों में परामर्श, कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन, जीवन कौशल प्रशिक्षण, आत्महत्या रोकथाम सेवाएं और जागरूकता पैदा करने तथा मानसिक बीमारी से जुड़े कलंक को दूर करने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) कार्यकलाप शामिल हैं।

सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए भी कदम उठा रही है। सरकार ने 1.77 लाख से अधिक उप-स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में अपग्रेड किया है। इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रदान की जाने वाली व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत सेवाओं के पैकेज में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को भी शामिल किया गया है। आयुष्मान भारत के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मानसिक, तंत्रिका संबंधी और मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों (एमएनएस) पर विभिन्न संवर्गों के लिए संचालन संबंधी दिशा-निर्देश और प्रशिक्षण नियमावली जारी की गई है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, सरकार ने देश में गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और देखभाल सेवाओं तक पहुंच को और बेहतर बनाने के लिए 10 अक्टूबर, 2022 को एक "राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम" आरंभ किया है।

17 जुलाई, 2025 तक, 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने 53 टेली मानस प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और टेली मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की हैं। हेल्पलाइन नंबर पर 23,82,000 से अधिक शिकायत कॉलों का समाधान किया जा चुका है।

सरकार ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस - 10 अक्टूबर, 2024 के अवसर पर टेली-मानस मोबाइल एप्लिकेशन भी लॉन्च किया है। टेली-मानस मोबाइल एप्लिकेशन एक व्यापक मोबाइल प्लेटफॉर्म है जिसे मानसिक स्वास्थ्य से लेकर मानसिक विकारों तक, सभी प्रकार के मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर सहायता प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। सरकार ने पहले से विद्यमान ऑडियो कॉलिंग सुविधा के एक और अपग्रेड के रूप में, टेली-मानस के अंतर्गत वीडियो परामर्श सुविधा भी आरंभ की है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

स्टार्टअप्स और इकोसिस्टम हितधारकों के बीच सहयोग को सुगम बनाता है भास्कर प्लेटफॉर्म

BHASKAR
Bharat Startup Knowledge Access Registry
Innovate. Connect. Thrive
A Startup India Initiative

भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री (भास्कर) स्टार्टअप्स सहित उद्यमशीलता इकोसिस्टम के बीच सहयोग को सक्षम बनाती है। 30 जून, 2025 तक भास्कर पर 'स्टार्टअप' श्रेणी के अंतर्गत 1,97,932 संस्थाएं पंजीकृत हैं। राज्य/केंद्र शासित प्रदेश वार विवरण अनुलग्नक-क के रूप में दिया गया है। भास्कर वर्तमान में पायलट चरण में है, जिसमें प्रमुख विशेषताओं का परीक्षण किया जा रहा है। इसमें समकक्ष से समकक्ष परस्पर संपर्क, साझेदारी और सहयोगात्मक जुड़ाव, हितधारक श्रेणियों के लिए अनूठी व्यक्तिगत पहचान का निर्माण और स्टार्टअप इंडिया के तहत विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए माइक्रोसाइट्स का समेकन शामिल है। सरकार लघु और सूक्ष्म उद्यमों सहित प्रमुख उपयोगकर्ता हितधारकों की आवश्यकताओं और अनुभवों को समझने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में भास्कर के लिए विभिन्न लोकसंपर्क और जागरूकता कार्यक्रम चला रही है।

नमो ड्रोन दीदी योजना का ग्रामीण महिलाओं पर प्रभाव

(जीएनएस)।

नमो ड्रोन दीदी को सरकार द्वारा वर्ष 2023-24 से 2025-26 की अवधि के लिए 1261 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन प्रदान करने के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में अनुमोदित किया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि में उन्नत तकनीक को बढ़ावा देना, बेहतर दक्षता, बेहतर फसल उपज और प्रचालन लागत को कम करना और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन सेवा प्रदाता के रूप में सशक्त बनाना है ताकि उनकी आय बढ़े और उन्हें आजीविका सहायता प्रदान की जा सके। प्रमुख उर्वरक कंपनियों (एलएफसी) ने अपने आंतरिक संसाधनों का उपयोग करके वर्ष 2023-24 में स्वयं सहायता समूहों की ड्रोन दीदियों को 1094 ड्रोन वितरित किए हैं। इन 1094 ड्रोनों में से 500 ड्रोन नमो ड्रोन

दीदी योजना के तहत वितरित किए गए हैं। उर्वरक विभाग द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, एलएफसी द्वारा आपूर्ति किए गए ड्रोन का प्रयोग नैनो उर्वरकों के उपयोग के लिए किया जा रहा है और राज्यवार विवरण अनुबंध-क में दिए गए हैं।

एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट एंड रूरल ट्रांसफॉर्मेशन सेंटर (एडीआरटीसी), बैंगलोर ने नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत एलएफसी द्वारा प्रदान किए गए इन 500 ड्रोनों पर ड्रोन संचालन की आर्थिक और व्यावसायिक व्यवहार्यता पर एक अध्ययन किया है। इस अध्ययन से पता चलता है कि पहले स्वयं सहायता समूह मुख्य रूप से कृषि और संबद्ध गतिविधियों में लगे हुए थे और उन्हें प्रदान किए गए ड्रोन ने ड्रोन तकनीक के माध्यम से आधुनिक कृषि पद्धतियों तक उनके दायरे का विस्तार किया है, जिससे उनकी दक्षता और उत्पादकता में वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर, ड्रोन को अपनाने से स्वयं सहायता समूह की गतिविधियों में विविधता आई है, कृषि पद्धतियों में सुधार हुआ है और ग्रामीण समुदायों में महिलाओं के लिए आय के अवसर बढ़े हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने देश की रक्षा तैयारियों पर भी सवाल खड़े किए

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर कई घंटे की लंबी बहस हुई। बहस न केवल स्वस्थ सार्थक और जीवंत रही बल्कि इसने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को उसके बेहतर ढंग में देश के सामने रखा। खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान सीजफायर को लेकर मध्यस्थता वाले दावों को सिरे से खारिज कर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की और न ही करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हालांकि 30 बार से ज्यादा दोहरा चुके हैं कि उन्होंने सीजफायर कराया। पीएम ने ट्रंप का नाम लिए बिना इन दावों को निराधार बताया था। पीएम मोदी के भाषण में बहुत सारे सवालों के जवाब तो मिले पर बहुत सारे सवालों के जवाब नहीं मिले। सरकार ने इसका संतोषजनक जवाब नहीं दिया कि सीजफायर क्यों रोका गया? सवाल है कि जब पाकिस्तान घुटनों पर था, तब सीजफायर किन शर्तो पर और किसके कहने पर किया गया? देश तो चाहता था कि जब भारत का पलड़ा भारी था तो हमें रुकना नहीं चाहिए था और पीओके पर कब्जा कर लेना चाहिए था पर हम अचानक रुक गए। वहीं हमने पाकिस्तान को यह भी बता दिया कि हमने केवल आतंकी ठिकानों पर हमला किया है हमने पाकिस्तानी सेना और डिफेंस सिस्टम पर हमला नहीं किया। इसका नतीजा यह हुआ कि हमारी ही जमीन पर हमारे ही विमान गिराने में पाकिस्तान सफल रहा। राज्यसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष ने पहलगाम हमले में सुरक्षा चूक पर सवाल उठाया जिसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। खरगे ने जम्मू-कश्मीर पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के बयान का हवाला देते हुए सरकार पर हमला बोला। मनोज सिन्हा ने स्वीकार किया कि आतंकी हमले की वजह हमारी चूक थी। उन्होंने सवाल किया कि क्या सिन्हा का बयान किसी को बचाने के लिए था? हमले की किस-किस ने जिम्मेदारी ली? किसने इस्तीफा दिया? प्रियंका गांधी ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद किसी देश ने पाकिस्तान की निंदा नहीं की यानि पूरी दुनिया ने भारत को पाकिस्तान की बराबरी पर रखा। सरकार ने जवाब में कहा कि पाकिस्तान के साथ सिर्प तीन देश खड़े थे और दुनिया के कई देशों ने आतंकी हमले की निंदा की। बेशक, इस पर किसी ने भी पाकिस्तान को पहलगाम हमले का दोषी नहीं माना। क्या यह हमारी विदेश नीति का पदार्फाश नहीं करती? सारी दुनिया जानती है कि भारत-पाक संघर्ष में पाकिस्तान तो महज मखौटा था। असल ताकत तो चीन की थी। हम पाकिस्तान से अकेले नहीं लड़ रहे थे, बल्कि पाक-चीन गठजोड़ से लड़ रहे थे। तमाम बहस में सरकार ने एक बार भी चीन का नाम नहीं लिया जबकि हमारी सेना ने साफ कहा कि चीन-पाकिस्तान को हथियार दे रहा है और चीन सैन्य उपकरणों के कारण ही भारत के विमान गिरे। इन पर सरकार ने एक शब्द नहीं कहा और न ही एक शब्द चीन द्वारा पाकिस्तान को दी जा रही मदद पर कहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूं ही नहीं दावा किया था कि भारत-पाक संघर्ष के दौरान 5 लड़ावू विमान मार गिराए गए थे, हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस देश के कितने विमान गिराए गए। इससे पहले पाकिस्तानी भी भारत के 5 लड़ावू विमान मार गिराने का दावा कर चुके हैं। हालांकि भारत ने इसे खारिज किया है। भारत की तुलना में पाकिस्तान के साथ ज्यादा देश क्यों? भारत-पाक संघर्ष के दौरान तुर्विए, अजरबैजान और चीन ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था, जबकि भारत के पक्ष में केवल इजरायल स्पष्ट रूप से नजर आया। यहां तक कि रूस ने भी भारत को खुलकर समर्थन नहीं किया। इस मुद्दे पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, दुनिया में किसी भी देश ने भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से रोका नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र में 193 देश हैं और सिर्प तीन देशों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था। ब्रिक्स प्रांस, रूस और जर्मनी.. कोई भी देश का नाम ले लीजिए, दुनिया भर से भारत को समर्थन मिला। पूरी बहस में एक महत्वपूर्ण मुद्दा कपिल सिब्बल ने भी उठाया। पूर्व वेंद्रीय मंत्री व राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने देश की रक्षा तैयारियों पर भी सवाल खड़े किए।

चिकित्सा क्षेत्र में आयुष का योगदान

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय (एमओए) ने एक सुस्थापित संस्थागत ढांचे के माध्यम से निवारक, प्रोत्साहक और उपचारात्मक स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शिक्षा और पेशेवर अभ्यास का विनियमन दो वैधानिक आयोगों, आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और सोवा-रिग्पा हेतु "भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए राष्ट्रीय आयोग" और "होम्योपैथी के लिए राष्ट्रीय आयोग" के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है। इसके अलावा, आयुष मंत्रालय ने 12 राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थानों की स्थापना की है जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैदानिक सेवाओं और आउटरीच को एकीकृत करके चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। वे एनएबीएच/एनएबीएल (अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड/ परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड) मान्यता प्राप्त अस्पतालों के माध्यम से ओपीडी/ आईपीडी (बा' रोगी विभाग/अंतरोर्गी विभाग) सेवाएं प्रदान करते हैं और देश भर में स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता अभियान और समुदाय-आधारित पहल का आयोजन करते हैं।

आयुष प्रणालियों के वैज्ञानिक सत्यापन और विकास को पांच स्वायत्त अनुसंधान परिषदों द्वारा समर्थन दिया जाता है, अर्थात केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम), केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस), और केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन)

सीसीआरएएस, सीसीआरयूएम और सीसीआरएच अपने व्यापक नेटवर्क के माध्यम से ओपीडी और आईपीडी सेवाएँ प्रदान करते हैं और आउटरीच कार्यक्रम चलाते हैं - सीसीआरएएस के अंतर्गत 30 संस्थान, सीसीआरयूएम के अंतर्गत 21 संस्थान और सीसीआरएच के अंतर्गत 6 उपचार केंद्रों वाली 27 इकाइयाँ। इन पहलों में अनुसूचित जाति उप योजना, जनजातीय स्वास्थ्य सेवा, स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम और मोबाइल नैदानिक अनुसंधान शामिल हैं, जो देश भर में आयुष स्वास्थ्य सेवा की पहुँच और सुगमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाते हैं। इसके अतिरिक्त, सीसीआरएस 9 परिधीय संस्थानों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता है, ज ब ा ि क सीसीआरवाईएन 8 संस्थानों, 10 वेलनेस केंद्रों और 10 माइंड-बॉडी इंटरवेंशन केंद्रों का संचालन करता है, जो देश भर में समग्र स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देते हैं।

आयुष गुणवत्ता-आश्वस्त आयुष औषधियों के निर्माण के लिए एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इंडियन मेडिसिन्स फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल) का भी प्रबंधन करता है और एक अधीनस्थ कार्यालय, भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी के लिए फामाकीपिया आयोग, जो औषधि मानकीकरण के लिए जिम्मेदार है और एक केंद्रीय शीर्ष प्रयोगशाला के रूप में भी कार्य करता है।

आयुष मंत्रालय राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की एक केन्द्र प्रायोजित योजना को भी क्रियान्वित कर रहा है और उनके द्वारा प्रस्तुत राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के विरुद्ध एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार विभिन्न गतिविधियों के तहत उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में आयुष उपचार सुविधा प्रदान करने के उनके प्रयासों का समर्थन कर रहा है।

एएसयूएंडएच (आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी) औषधियों से संबंधित मामले औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और उसके अंतर्गत बनाए गए नियम, 1945 के अंतर्गत शासित होते हैं।

आयुष मंत्रालय ने आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में चिकित्सा मूल्य यात्रा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। आयुष मंत्रालय ने चिकित्सा मूल्य यात्रा में भारत की स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से देश के पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्र के लिए चिकित्सा मूल्य यात्रा शिखर सम्मेलन का भी आयोजन किया। इस शिखर सम्मेलन ने आयुष- आधारित चिकित्सा मूल्य यात्रा के विस्तार के लिए राज्य सरकारों, उद्योग जगत के दिग्गजों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया।

सरकार ने आयुष चिकित्सा पद्धति के तहत उपचार प्राप्त करने के लिए भारत आने वाले विदेशियों और उनके परिचारकों (पाकिस्तानी नागरिक को छोड़कर) के लिए 27 जुलाई, 2023 को आयुष वीजा की एक अलग श्रेणी शुरू की है।

गृह मंत्रालय द्वारा संचालित मेडिकल और आयुष वीजा पोर्टल, वैध विदेशी मरीजों के प्रवेश को सुव्यवस्थित और विनियमित करने के लिए तैयार किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल अधिकृत अस्पताल ही पूर्व- मान्य मेडिकल वीजा के माध्यम से वास्तविक मरीजों को इलाज के लिए आमंत्रित करें। यह पोर्टल पंजीकृत अस्पतालों/वेलनेस केंद्रों को मेडिकल वीजा, मेडिकल अटेंडेंट वीजा और आयुष अटेंडेंट वीजा के लिए मेडिकल वीजा आमंत्रण पत्र और विस्तार पत्र बनाने की अनुमति देता है। भारत में संचालित अस्पताल/ वेलनेस केंद्र इस पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं और गृह मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए लॉगिन आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके लॉग इन कर सकते हैं। इस पोर्टल को निम्नलिखित यू आर एल पर के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है:

आयुष मंत्रालय, संरचित क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आयुष क्षेत्र में कुशल कार्यबल को सुदृढ़ और प्रशिक्षित करने के साथ-साथ घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष सेवाओं की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए कई पहल कर रहा है। इन पहलों का विवरण अनुलग्नक क में संलग्न है।

अनुलग्नक क

आयुष क्षेत्र के लिए कुशल कार्यबल को प्रशिक्षित करने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा की गई पहलों और घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का विवरण:

क. आयुष मंत्रालय ने 2021-22 से 'आयुर्ज्ञान' नामक एक केंद्रीय क्षेत्र योजना लागू की है, जिसमें आयुष में क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा पर एक प्रमुख घटक शामिल है। इस घटक के अंतर्गत, देश भर के पात्र संगठनों को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित करने हेतु सहायता प्रदान की जाती है, जिसका उद्देश्य आयुष कर्मियों को आवश्यकता-आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना और नैदानिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में ज्ञान के अंतराल को पाटना है।

ख. आयुष मंत्रालय ने आयुष के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग संवर्धन हेतु केंद्रीय क्षेत्र योजना (आईसी योजना) विकसित की है। इस योजना के अंतर्गत, मंत्रालय भारतीय आयुष औषधि निमार्ताओं/ आयुष सेवा प्रदाताओं को आयुष उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने हेतु सहायता प्रदान करता है। यह योजना आयुष चिकित्सा पद्धतियों के अंतर्राष्ट्रीय प्रचार, विकास और मान्यता को सुगम बनाती है; हितधारकों के बीच संवाद को बढ़ावा देती है; और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष के बाजार विकास को बढ़ावा देती है। इसके अतिरिक्त, यह योजना विदेशों में आयुष अकादमिक पीठों की स्थापना और प्रशिक्षण कार्यशालाओं/ संगोष्ठियों के आयोजन के माध्यम से शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देती है, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूकता और रुचि को बढ़ाना है।

ग. सीसीआरएएस विभिन्न पहलों के माध्यम से आयुष अनुसंधान के क्षेत्र में क्षमता निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है, जैसे: -

स्नातक आयुर्वेद छात्रों के बीच अनुसंधान योग्यता को बढ़ावा देने के लिए स्पार्क (आयुर्वेद अनुसंधान केन के लिए छात्र कार्यक्रम);

पीजी स्टार (स्नातकोत्तर विद्वानों के लिए आयुर्वेद अनुसंधान में प्रशिक्षण योजना) का मुख्य उद्देश्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत आयुर्वेद छात्रों में अच्छी गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढ़ावा देना और साथ ही बड़े शोध के लिए उनके शोध कार्य की दृश्यता और पहुंच में सुधार करना है।

उन्नत शैक्षणिक अनुसंधान का समर्थन करने के लिए पीएचडी और पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप कार्यक्रम;

प्रयत्न का उद्देश्य आयुर्वेद के क्षेत्र में स्नातकोत्तर (पीजी) और डॉक्टरेट (पीएचडी) विद्वानों के बीच वैज्ञानिक लेखन कौशल को विकसित करना और बढ़ाना है;

एआरएमएस (आयुर्वेद अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी) प्रशिक्षण, जिसका उद्देश्य आयुर्वेद विद्वानों के लिए अनुसंधान पद्धति और बायोस्टैटिक्स में आधार तैयार करना है।

घ. आयुष चिकित्सकों की क्षमता बढ़ाने के लिए, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के तहत आयुष वर्टिकल ने 13-17 मई 2024 के दौरान सभी राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों के लिए मानक उपचार दिशानिर्देशों (एसटीजी) पर केंद्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो (सीएचईबी), डीजीएचएस के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर पर मास्टर प्रशिक्षण आयोजित किया है, ताकि सभी उपयोगकताओं तक उनका प्रभावी प्रसार सुनिश्चित किया जा सके।

ङ. आयुष मंत्रालय की ओर से भारतीय औषधि एवं होम्योपैथी के लिए फामाकीपिया आयोग (पीसीआईएमएंडएच) औषधि नियामक प्राधिकरणों, राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं (औषधि विश्लेषकों) आदि को एएसयूएंडएच (आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी) औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रयोगशाला तकनीकों और विधियों पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

च. इसके अलावा, विभिन्न क्षेत्रों में आयुष पेशेवरों के ज्ञान और कौशल को उन्नत करने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय आयुष संस्थानों और अनुसंधान परिषदों में नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए जाते हैं।

यह जानकारी केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने निर्बाध और समावेशी डिजिटल बैंकिंग के लिए आधार के माध्यम से पहचान प्रमाणन की शुरूआत की

(जीएनएस)।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने ग्राहक लेनदेन के लिए आधार के माध्यम से पहचान प्रमाणन सुविधा की राष्ट्रव्यापी शुरूआत की घोषणा की है - यह एक सफल पहल है। इसका उद्देश्य बैंकिंग को अधिक सुरक्षित, समावेशी और सुविधाजनक बनाकर प्रत्येक नागरिक, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों को सशक्त बनाना है।

यूआईडीएआई (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण) के ढांचे के अंतर्गत विकसित फेस ऑथेंटिकेशन सुविधा ग्राहकों को बैंकिंग लेनदेन में सक्षम बनाती है, जिससे फिंगरप्रिंट या ओटीपी जैसे बायोमेट्रिक इनपुट की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। इसके साथ, आईपीपीबी बैंकिंग को अधिक सुलभ, समावेशी और ग्राहक-केंद्रित बनाकर "आपका बैंक, आपके द्वार" के अपने मिशन को सार्थक बनाता है।

इस अवसर पर आईपीपीबी के एमडी और सीईओ, श्री आर विश्वेश्वरन ने कहा, "आईपीपीबी में हमारा मानना है कि बैंकिंग न केवल सुलभ होनी चाहिए, बल्कि सम्मानजनक भी होनी चाहिए। आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन के साथ, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट या ओटीपी सत्यापन की सीमाओं के कारण कोई भी ग्राहक सुविधाओं का लाभ लेने से वंचित न रह जाए। यह केवल एक तकनीकी विशेषता नहीं है; यह बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन को पुनर्परिभाषित करने की दिशा में एक कदम है।"

आईपीपीबी की फेस ऑथेंटिकेशन सुविधा के मुख्य लाभः

वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों और उंगलियों के निशान मिट जाने वाले व्यक्तियों के लिए समावेशी बैंकिंग।

ओटीपी या फिंगरप्रिंट सेंसर पर निर्भरता के बिना सुरक्षित आधार प्रमाणीकरण।

ग्राहकों की सुगमता के लिए तीव्र और संपर्क रहित लेनदेन।

जोखिमपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी स्थितियों के दौरान सुरक्षित बैंकिंग।

खाता खोलना, शेष राशि की जांच, निधि अंतरण और उपयोगिता भुगतान सहित सभी बैंकिंग सेवाओं के लिए उपयुक्त।

आईपीपीबी फेस ऑथेंटिकेशन सुविधा का शुभारंभ भारत सरकार के डिजिटल इंडिया और वित्तीय समावेशन मिशन के अनुरूप है। यह सुविधा तकनीक का उपयोग करके समानता, पहुंच और सशक्तिकरण के मूल्यों को बनाए रखने के लिए मानक स्थापित करती है।

आईपीपीबी अपने सभी ग्राहकों को विशेषकर उन ग्राहकों को जिन्हें फिंगरप्रिंट-आधारित प्रमाणीकरण में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, इस नई सुविधा की सरलता का अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के बारे में

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) की स्थापना डाक विभाग, संचार मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार की शत-प्रतिशत प्रतिभूति के साथ की गई है।

निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) एकीकृत पोर्टल लॉन्च करने की तैयारी

(जीएनएस)।

निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) अपने एकीकृत पोर्टल के परीक्षण के अंतिम चरण में है। यह एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे दावा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और निवेशकों व कंपनियों, दोनों के लिए पहुँच बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पोर्टल प्रमुख हितधारकों, जिसमें डिपॉजिटरी और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) शामिल हैं, उन्हें एकीकृत करेगा, ताकि एक सहज और कुशल अनुभव प्रदान किया जा सके।

कंपनियों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की सटीकता सुनिश्चित करने और दावा प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए, नियम 1(ए) के तहत सार्वजनिक नोटिस, आधिकारिक आईईपीएफए वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इन नोटिसों में उन कंपनियों से आग्रह किया गया है, जिन्होंने अभी तक अपने आईईपीएफ-1/7 एसआरएन और निर्धारित एक्सेल टेम्पलेट अपलोड नहीं किए हैं, कि वे इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरी करें। निर्बाध दावा प्रक्रिया के लिए समय पर अनुपालन जरुरी है।

इसके साथ ही, आईईपीएफए, एक सरल और दावों को तेजी से निपटाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए, कम मूल्य के दावों हेतु दस्तावेजीकरण की जरुरतों की व्यापक समीक्षा कर रहा है। इसके अलावा, अपनी शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करने के लिए, आईईपीएफए एक एकीकृत कॉल सेंटर भी शुरू कर रहा है, जो अधिक कुशल, उत्तरदायी और हितधारकों के अनुकूल संचार व्यवस्था प्रदान करेगा।

इन तकनीकी और प्रक्रियात्मक अपग्रेड के दौरान, कुछ छोटे अस्थायी व्यवधान भी उत्पन्न हो सकते हैं। आईईपीएफए किसी भी असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है और एक अधिक मजबूत और निवेशक-केंद्रित व्यवस्था के निर्माण की दिशा में हितधारकों के निरंतर सहयोग की उम्मीद करता है।

आईईपीएफए के बारे में

भारत सरकार के कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के अधीन कार्यरत, निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए), बिना दावे वाले शेयरों और लाभांशों की वापसी की सुविधा प्रदान करके और देश भर में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए समर्पित है। निवेशक दीदी, निवेशक पंचायत और निवेशक शिविर जैसी प्रमुख पहलों के जरिए, आईईपीएफए लोगों को सूचित वित्तीय फैसले लेने में सक्षम बनाता है और वित्तीय रूप से जागरूक नागरिकों को प्रेरित करता है।

शहनाज हुसैन के सौन्दर्य टिप्स

अपनी त्वचा की देखभाल करने के लिए आपके पास एक स्किनकेयर रूटीन होना चाहिए जो स्वयं की देखभाल करने में सक्षम हो।यह आवश्यक है कि आप सीटीएम या क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग जैसी बुनियादी चीजों से शुरूआत करें।याद रखें कि आपको सबसे पहले अपनी त्वचा को उन उत्पादों को सक्षम बनाने के लिए तैयार करना होगा जिन्हें आप उपयोग करने जा रहे हैं।

- एक सौम्य फेसवॉश से अपनी त्वचा को साफ करने से शुरू करें
- फिर मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने के लिए अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट या स्क्रब करें
- अब एक स्किन टोनर का उपयोग करें जो त्वचा को कसने में मदद करेगा
- और तीसरे चरण में आपकी त्वचा को मॉइस्चराइज करने की आवश्यकता होती है।
- इस स्किन केयर रूटीन का पालन करें और अपनी त्वचा पर सप्ताह में दो बार स्क्रब का उपयोग करना याद रखें, आप ताजा और चमकती त्वचा के साथ अंतर देखेंगे।

2. ---------- प्रत्येक मौसम के लिए विशिष्ट स्किनकेयर रूटीन की आवश्यकता होती है, इस कारण से पर्यावरण और मौसम की स्थिति में बदलाव के साथ अपनी स्किन केयर रूटीन को बदलना महत्वपूर्ण है।

उदाहरण के लिए,

- जब मौसम शुष्क हो तो आप को पानी, ताजे फलों के रस और हाइड्रेटिंग मॉइस्चराइजर और क्रीम या स्किन सीरम पीकर अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखना चाहिए।
- नमी वाले महीनों के दौरान, आपको हल्का मेकअप, मैटिफाइंग मॉइस्चराइजर का उपयोग करना चाहिए और सप्ताह में दो बार अपनी त्वचा को स्क्रब करना चाहिए।पूरे दिन अपनी त्वचा को तरोताजा रखने के लिए ब्लॉटिंग पेपर या स्किन वाइप्स का इस्तेमाल करें।
- आपको मौसम की स्थिति की परवाह किए बिना हर दिन सनस्क्रीन का उपयोग करना याद रखना चाहिएक्यों कि आपको अपनी त्वचा को टैनिंग, समय से पहले बूढ़ा होने और सनबर्न से बचाना चाहिए, यूवी किरणें आपकी त्वचा के लिए हानिकारक हैं इसलिए मैं इसे पूरेसाल अपने चेहरे और खुली त्वचा पर लगाने की सलाह देती हूँ।

3 ------ त्वचा की देखभाल की दिनचर्या के लिए आपको 10 वर्ष की आयु से ही शुरूआत कर देनी चाहिए, क्योंकि जितनी जल्दी आप शुरूआत करेंगे, आपकी त्वचा के लिए उतने ही अच्छे परिणाम मिलेंगे।हालाँकि , यदि आप जानना चाहते हैं कि किस उम्र में सौंदर्य प्रसाधन या मेक अप का उपयोग शुरू करना चाहिए, तो मेरा सुझाव है कि 14 वर्ष की आयु से पहले ऐसा न करें।मेरी सलाह है कि अपनी त्वचा पर मेकअप या रासायनिक सौंदर्य प्रसाधनों का उपयोग करने के बजाय, आयुर्वेदिक त्वचा देखभाल उत्पादों का उपयोग करें जो आपकी त्वचा की गुणवत्ता को बढ़ाएंगे।

4. ------40 की उम्र के बाद आपकी त्वचा को भरपूर मात्रा में नमी की जरूरत होती है क्योंकि यह वह उम्र है जब आपकी त्वचा अपनी नमी तेजी से खो देतीहै।मेरा सुझाव है किः

- त्वचा को नमी देने वाले सीरम , हाइड्रेटिंग क्लींजर, हाइड्रेटिंग मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना शुरू करें।
- अपनी त्वचा को सप्ताह में तीन बार हर दूसरे दिन हल्के एक्सफोलीएटिंग साफ करना न भूलें ताकि आपकी त्वचा की कोशिकाएं फिर से जीवित हो जाएँ और आप तरोताजा दिखें।
- इसके अलावा, अपनी त्वचा को सूरज की किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए रोजाना सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

आपकी रात की दिनचर्या में मेकअप हटाना, त्वचा साफ करना, त्वचा को एक्सफोलिएट करना, फिर स्किन सीरम, नाइट क्रीम लगाना और अपनी आँखों के नीचे जेल लगाना शामिल होना चाहिए। 40 के बाद आपकी आँखों के नीचे की त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए विशेष देखभाल की जरूरत होती है।

5. उम्र बढ़ने पर महिलाओं को त्वचा की देखभाल करने के लिए सौंदर्य प्रसाधनों के प्रयोग के इलावा क्या करना चाहिए ?

40 के बाद एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाना बहुत जरूरी है जो आपकी त्वचा की देखभाल के लिए सहायक हो, क्योंकि एक के बिना दूसरे का कोई मतलब नहीं रहजाता।

ङ्क मैं तनाव मुक्त जीवन जीने का सुझाव देती हूँ, ध्यान, माइंडफुलनेस और योग जरूरी है।मौसमी फलों और सब्जियों का रोजाना सेवन करने जैसी स्वस्थ खाने की आदतें अपनाएँ।

ङ्क एंटीऑक्सीडेंट युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें जो त्वचा के अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करेंगे जैसे कि बेरीज, पालक, सेब, अंगूर।

ङ्क अखरोट, सूरजमुखी के बीज, बादाम और तिल जैसे मेवे औरबीज।

ङ्क कैफीन युक्त पेय और शराब से बचें, इसके बजाय बिना चीनी वाली ग्रीन टी पिएँ।

ङ्क पर्याप्त आराम करें, मतलब है कि आपकी त्वचा और स्वास्थ्य को फिर से जीवित करने के लिए 8 घंटे की नींद जरूरी है।

ङ्क अगर आप धूम्रपान करते हैं तो धूम्रपान छोड़ दें क्योंकि यह त्वचा के कोलेजन को नुकसान पहुँचाताहै।

6.

आपकी त्वचा को सुंदर और स्वस्थ रहने के लिए बहुत अधिक देखभाल की आवश्यकता होती है इसलिए ऐसी जीवनशैली अपनाना आवश्यक है जो त्वचा के स्वास्थ्य का समर्थन करती हो।इसमें एक समर्पित स्किन केयर रूटीन शामिल है:

- अपनी त्वचा की जरूरतों को नजरअंदाज न करें उदाहरण के लिए शुष्क त्वचा को हाइड्रेशन की आवश्यकता होती है, तैलीय त्वचा को मैटिफाइंग उत्पादों का उपयोग करने की आवश्यकता होती है/ संवेदनशील त्वचा को ऐसे उत्पादों की आवश्यकता होती है जो कठोर रसायनों से मुक्त हों, जैसे आयुर्वेद आधारित स्किन केयर उत्पाद।
- याद रखें कि आप जो खाते हैं उसका आपकी त्वचा के स्वास्थ्य पर बहुत प्रभाव पड़ता है और आपअपनी त्वचा पर क्या लगाते हैं उसका भी यही असर होता है।समझदारी से चुनें कि आप अपनी त्वचा पर क्या लगाते हैं और क्या खाते हैं, चीनी युक्त भोजन और पेय आपकी त्वचा को नुकसान पहुँचाते हैं।
- बहुत अधिक तैलीय भोजन आपकी त्वचा और आंत के लिए हानिकारक है।
- आपकी आंत का स्वास्थ्य भी आवश्यक है इसलिए मैं आपके आहार में दही को शामिल करने का सुझाव देती हु।

लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में लोक प्रिय हैं

मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं: आर.के. चतुर्वेदी

-बलरामपुर अस्पताल में रक्तदान शिविर

लखनऊ, 1 अगस्त 2025। ऑल इंडिया पयाम ए इंसानियत फोरम द्वारा आज बलरामपुर अस्पताल लखनऊ में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

रक्त दान शिविर में मदरसा नदवा तुल उलेमा लखनऊ के 50 छात्रों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आर. के. चतुर्वेदी (आई.जी) ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी इंसान की फिक्र करना और उस के सुख-दुख में काम आना यह पुण्य का काम है। हमारे देश में हर साल न जाने कितने ही लोग, सिर्फ समय पर रक्त न मिल पाने की वजह से अपनी जा गवां बैठते हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया के हर धर्म में सबसे बड़ा मानवता का धर्म है और ये संस्था सही मायने में इस कहावत को चरितार्थ कर रही है। इस अवसर पर सैय्यद अब्दुल अली हसनी नदवी ने कहा कि छात्रों ने रक्त दान कर मानवता के प्रति एक सच्ची मिसाल कायम की है। हमें लोगों को रक्त दान के प्रति ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है।

शिविर के दौरान अस्पताल के चिकित्सकों और पत्रकारों को मानवता के हित में उनके द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संस्था के कोऑर्डिनेटर शफीक चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डायरेक्टर बलरामपुर अस्पताल, पूर्व डायरेक्टर बलरामपुर अस्पताल डॉ. राजीव लोचन, ब्लड बैंक के इंचार्ज डॉ. हरिनाम विनोद सहित अस्पताल के कर्मचारी और संस्था के सदस्य मौजूद थे।

खेल मंत्री ने कहा, महिला शतरंज विश्व कप में भारत की जीत उसकी खेल प्रतिभा का प्रमाण

आप जैसे ग्रैंडमास्टर नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत – डॉ. मनसुख मांडविया

डॉ. मनसुख मांडविया ने एफआईडीई महिला विश्व कप 2025 की पदक विजेता दिव्या देशमुख और कोनेरू हम्पी को सम्मानित किया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज नई दिल्ली में फिडे महिला विश्व कप 2025 की पदक विजेता दिव्या देशमुख और कोनेरू हम्पी को सम्मानित किया। भारतीय शतरंज खिलाड़ी दिव्या और अनुभवी ग्रैंडमास्टर (जीएम) कोनेरू ने हाल ही में जॉर्जिया के बटुमी में संपन्न टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करके देश को गौरवान्वित किया।

डॉ. मांडविया ने दिव्या देशमुख को व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया, जो देश की 88वीं ग्रैंडमास्टर और ग्रैंडमास्टर बनने वाली चौथी भारतीय महिला रहीं। दिव्या फिडे महिला विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला और ऐसा करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बनीं। कोनेरू हम्पी इस समारोह में वर्चुअली शामिल हुईं।

कार्यक्रम में दोनों को संबोधित करते हुए, केन्द्रीय मंत्री ने कहा, "आप जैसे ग्रैंडमास्टर नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे। अधिक युवा खेलों में रुचि लेंगे, खासकर शतरंज जैसे दिमागी खेल में। शतरंज को दुनिया को भारत का एक उपहार माना जा सकता है और यह प्राचीन काल से खेला जाता रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप दोनों से प्रेरणा लेकर भारत की कई बेटियाँ दुनिया में आगे बढ़ेंगी।"

डॉ. मांडविया ने कहा, "मैंने हम्पी के बारे में पढ़ा है और मुझे पता है कि उन्होंने अपने सफर में कई लोगों को प्रेरित किया है। उन्होंने एक लंबी और विशिष्ट पारी खेली है। मुझे याद है कि मैं घर जाकर अपने बच्चों के साथ उनके खेल देखता था।"

बटुमी में 5 से 28 जुलाई तक आयोजित फिडे महिला विश्व कप 2025 में 19 वर्षीय दिव्या देशमुख और अनुभवी ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी के बीच ऐतिहासिक अखिल भारतीय फाइनल मुकाबला हुआ। यह पहली बार था जब दो भारतीय महिलाएँ फाइनल में पहुँचीं और यह भारत का पहला महिला विश्व कप खिताब भी था। नागपुर की रहने वाली दिव्या ने दो ड्रॉ क्लासिकल गेम्स के बाद एक तनावपूर्ण टाईब्रेक में हम्पी को हराया।

उन्होंने इस आयोजन के दौरान झू जिनर, हरिका द्रोणावल्ली और टैन झोंगयी जैसी शीर्ष खिलाड़ियों को हराकर अपना पहला ग्रैंडमास्टर नॉर्म भी हासिल किया।

दिव्या ने कहा, "मुझे बहुत खुशी है कि मैं खिताब भारत आया। कोनेरू ने बहुत अच्छा खेला, लेकिन मैं भाग्यशाली रही कि मैं जीत गई। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यह जानकर हुई कि चाहे कोई भी जीते, खिताब भारत ही आएगा।" उन्होंने कहा, "आज मुझे माननीय मंत्री जी द्वारा सम्मानित किए जाने पर बहुत खुशी हो रही है क्योंकि इससे खिलाड़ियों का हौसला बढ़ता है और युवाओं को यह संदेश मिलता है कि उन्हें देश का समर्थन प्राप्त है। मैं शतरंज को निरंतर प्रोत्साहन देने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) और खेल मंत्रालय का भी धन्यवाद करना चाहती हूं। इस तरह के निरंतर प्रोत्साहन से देश में इस खेल को बढ़ावा मिलेगा।"

अनुभवी कोनेरू हम्पी, जो 2002 में 15 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बनीं, ने अपने अनुभवों को याद करते हुए कहा, "यह एक बहुत लंबा और थका देने वाला टूर्नामेंट था और मुझे खुशी है कि मैं अंत तक खेल पाई। दो पीढ़ियों के शतरंज खिलाड़ियों के आमने-सामने होने के कारण भारत ने फाइनल में अपना दबदबा बनाया और खिताब भारत के नाम रहा।"

इस साल अक्टूबर में गोवा में भारत द्वारा फिडे पुरुष विश्व कप 2025 की मेजबानी करने के साथ, डॉ. मांडविया ने देश के खेल परिदृश्य के बारे में सकारात्मकता व्यक्त की। महिला शतरंज विश्व कप में भारत की जीत न केवल भारत के खेल कौशल का प्रमाण है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देश में स्थापित खेल इकोसिस्टम को भी उजागर करती है। सरकार केवल कागजों पर ही खेलों को बढ़ावा नहीं दे रही है, बल्कि जमीनी स्तर पर भी गहरा और सुगठित समर्थन सुनिश्चित कर रही है। इसके लिए एक रोडमैप तैयार किया गया है। आने वाले दिनों में कई सुधार देखने को मिलेंगे। पिछले महीने ही, हमने 'खेलो भारत नीति' की घोषणा की थी। अब, खेलों में सुशासन लाने के लिए संसद में एक राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक पर विचार किया जाएगा। इसके पारित होने और लागू होने के बाद, देश में खेलों के विकास में और तेजी आएगी।'

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने एंथे के 16 शानदार वर्षों का जश्न मनाते हुए एंथे 2025 लॉन्च किया झ्र जो छात्रों को भविष्य के प्रॉब्लम सॉल्वर बनने के लिए सशक्त बनाएगा।

1 अगस्त 2025,

लखनऊ : छात्रों के सपनों को कामयाबी में बदलते हुए 16 सफल साल पूरे करने पर, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) झ्र जो टेस्ट प्रिपरेशन में देश की अग्रणी संस्था है झ्र ने अपने प्रमुख इनिशिएटिव एंथे 2025 (आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम) की शुरुआत का ऐलान किया है।

भारत के एकेडमिक कैलेंडर में हर साल का सबसे बहुप्रतीक्षित इवेंट माने जाने वाले एंथे 2025 का मकसद, कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्रों को चुनौतियों से लड़ने और असली प्रॉब्लम सॉल्वर बनने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाना है।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड की हजरतगंज शाखा में एंथे 2025 की घोषणा के मौके पर डी.के. मिश्रा, रीजनल डायरेक्टर, रणधीर सिंह, स्टेट हेड, बी.एल. प्रसाद व राजन सिंह असिस्टेंट डायरेक्टर, अमित अवस्थी, रीजनल सेल्स एंड ग्रोथ हेड व अरूण शर्मा, ब्रांच हेड मौजूद थे।

इस मौके पर बताया गया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सभी तक पहुँचाने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए, एंथे 2025 में स्टूडेंट्स को 250 करोड़ रुपए तक की स्कॉलरशिप (100 प्रतिशत तक) दी जा रही है, जो क्लासरूम, आकाश डिजिटल और इन्विक्टस कोर्सेस पर लागू होगी। इसके साथ ही 2.5 करोड़ रुपए तक के कैश अवॉर्ड्स भी दिए जा रहे हैं, जो मेडिकल या इंजीनियरिंग में सक्सेसफुल करियर

का सपना देखने वाले स्टूडेंट्स के लिए मददगार साबित होंगे।

यह एग्जाम स्टूडेंट्स के लिए नीट, जेईई, स्टेट सीईटी, एनटीएसई और ओलम्पियाड जैसे कॉम्पिटिटिव एग्जाम्स की बेस्ट कोचिंग पाने का रास्ता खोलता है, जो आकाश के एक्सपर्ट फैकल्टी द्वारा दी जाती है।

इस प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए, आकाश अब इन्विक्टस ऐस टेस्ट लॉन्च कर रहा है झ्र एक स्कॉलरशिप परीक्षा, जो कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों के लिए आकाश इन्विक्टस जेईई एडवांस्ड प्रिपरेशन प्रोग्राम में एडमिशन के लिए है। यह एक नेशनल-लेवल एलिजिबिलिटी-कम-स्कॉलरशिप टेस्ट है, जो 24 अगस्त, 31 अगस्त और 7 सितंबर 2025 को आयोजित होगा। तीन घंटे की यह परीक्षा (सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक) ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में उपलब्ध होगी, जिसकी एप्लिकेशन फीस 300 रूपए है। जो छात्र बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे, उन्हें 100 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप और शानदार कैश प्राइज दिए जाएंगे।

आकाश इन्विक्टस प्रोग्राम देश के चुनिंदा इन्विक्टस सेंटर्स पर उपलब्ध है, जिनमें शामिल हैं: दिल्ली-एनसीआर, चेन्नई, बेंगलुरु, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज, देहरादून, भोपाल, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, रोहतक, हैदराबाद, नमक्कल, कोयंबटूर, भुवनेश्वर, रांची, त्रिची, विशाखापट्टनम, मुंबई, कोलकाता, दुर्गापुर और पटना।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के सीईओ और एमडी, श्री दीपक मेहरोत्रा ने कहा, झ्रएंथे अब देशभर के छात्रों के लिए एक उम्मीद की पहचान बन चुका है। पिछले 16 वर्षों में हमने मेधावी छात्रों को उनके सपनों को पूरा करने का मौका दिया है, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति या लोकेशन कुछ भी हो। आकाश में हमारा मानना है कि हर छात्र में क्रिटिकल थिंकिंग, समस्याएं हल करने और बदलाव लाने की क्षमता होती है। एंथे 2025 इस सोच को आगे बढ़ाते हुए छात्रों को सही संसाधन, सहयोग और मोटिवेशन देगा ताकि वे आगे बढ़ें और चमकें। हमारी वाइड नेटवर्क और हाइब्रिड लर्निंग मॉडल से हम क्वालिटी एजुकेशन को हर छात्र के लिए सुलभ और परिणाम केंद्रित बना रहे हैं झ्र

उन्होंने आगे कहा, झ्रइस साल से हम इन्विक्टस ऐस टेस्टभी लॉन्च कर रहे हैं, जो स्कॉलरशिप और आकाश इन्विक्टस कोर्स में एडमिशन के लिए होगा। यह एडवांस जेईई की तैयारी के लिए डिजाइन किया गया एक प्रीमियम प्रोग्राम है, जिसमें छात्रों की कॉन्सेप्ट समझ और कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी को परखा जाएगा झ्रएंथे ने सालों से कई टॉपर्स को तैयार किया है। 2025 में एक मिलियन से ज्यादा छात्रों ने इसमें भाग लिया, जिससे यह देश का एक सबसे बड़ा स्कॉलरशिप एग्जाम बन गया। आकाश के कई मौजूदा टॉपर्स ने अपनी तैयारी एंथे से शुरू की थी। खास बात यह है कि इस साल नीट के टॉप 100 में से 22 और जेईई एडवांस्ड 2025 के टॉप 100 में से 10 छात्रों ने अपनी शुरुआत एंथे से की थी।

यह परीक्षा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित की जाएगी, जिससे देशभर के छात्रों को फ्लेक्सिबिलिटी और पहुंच मिल सके। ऑनलाइन परीक्षा 4 से 12 अक्टूबर 2025 तक होगी, जिसमें छात्र अपनी सुविधा से एक घंटे का स्लॉट चुन सकते हैं। ऑफलाइन एग्जाम 5 और 12 अक्टूबर 2025 को देशभर के 415 से ज्यादा आकाश सेंटर्स पर होगा, जो 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हैं।

एंथे 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। छात्र ऑनलाइन ३३३२://ल्लज्ञै.'ँ'ल्ल'ज्ञै पर या नजदीकी आकाश सेंटर पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

बलरामपुर चिकित्सालय लखनऊ में नवनियुक्त अधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया

लखनऊः चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रधान महासचिव की उपस्थिति में बलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ में नवनियुक्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी एवं नवनियुक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देवाशीष शुक्ला का पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। प्रधान महासचिव ने कहा कि झ्रचिकित्सालय सुचारु एवं प्रभावी रूप से संचालित करने हेतु सभी कार्मिकों, चिकित्सकों एवं अधिकारियों को साथ लेकर चलना अत्यंत आवश्यक है। सामूहिक सहयोग और समन्वय से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में और अधिक सुधार संभव है झ्र इस अवसर पर

कपिल वर्मा अध्यक्ष,सुनील कुमार कोषाध्यक्ष भी उपस्थित रहे । आपसी समर्पण, सौहार्द और स्वास्थ्य सेवा के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक रहा।

लखनऊ में एंटी क्राइम एंटी करप्शन संगठन की समीक्षा बैठक सम्पन्न – प्रदेश अध्यक्ष सुयश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुआ आयोजन

(जीएनएस)।

लखनऊ। एंटी क्राइम एंटी करप्शन संगठन, लखनऊ जोन की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुयश श्रीवास्तव जी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान से की गई, जिससे माहौल में राष्ट्रभक्ति की ऊर्जा और अनुशासन का भाव जागृत हुआ।

इस समीक्षा बैठक में प्रदेश स्तर के कई प्रमुख पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने संगठन की गतिविधियों, कार्ययोजनाओं और भविष्य की

रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे:

प्रदेश सलाहकार श्री ऋषभ श्रीवास्तव,प्रदेश सचिव श्री धीरज जायसवाल,युवा पदाधिकारी यशराज सिंह,ज़िला सदस्य श्री अमित शर्मा,ज़िला सदस्य श्री विकास श्रीवास्तव,ज़िला सदस्य श्री सुषांत श्रीवास्तव,सभी पदाधिकारियों ने संगठन के कार्यों को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए अपने सुझाव और विचार साझा किए। प्रदेश अध्यक्ष श्री सुयश श्रीवास्तव ने सभी का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि "संगठन की असली ताकत इसकी सक्रिय टीम है, जो निस्वार्थ भाव से समाजहित में कार्य कर रही है।"बैठक का उद्देश्य संगठन की जमीनी पकड़ को मजबूत बनाना, भ्रष्टाचार व अपराध के विरुद्ध संघर्ष को तेज करना और जनहित से जुड़े अभियानों को और प्रभावी बनाना रहा।एंटी क्राइम एंटी करप्शन संगठन जनसेवा, ईमानदारी और निष्पक्षता की भावना से समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कार्यरत है।

तेली समाज ने लोकसभा सलेमपुर जनपद देवरिया सपा सांसद रमाशंकर राजभर के खिलाफ दिया ज्ञापन

(जीएनएस)।

लखनऊ भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उत्तर प्रदेश के युवा प्रदेश अध्यक्ष रमाशंकर साहू जी पूर्व जिला मंत्री भाजपा लखनऊ उमाशंकर साहू जी जिला अध्यक्ष अरुण साहू जी के नेतृत्व में लखनऊ जिला अधिकारी कार्यालय पर सलेमपुर लोकसभा जनपद देवरिया के सपा सांसद रमाशंकर राजभर के खिलाफ ज्ञापन सोपा गया जिसमें शुभम गुप्ता के पोस्ट पर कमेंट में लिखा कि हिन्दू धर्म में तेली का मुंह देखना पाप होता है यह पोस्ट वायरल होने पर देश में तेली समाज आक्रोशित है रामाशंकर राजभर जी के द्वारा दी गयी टिप्पणी से तेली समाज आहत हुआ है ऐसी दशा में जांच करा कर संसद के विरुद्ध उचित

कार्रवाई की जाए प्रदर्शन में युवा प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र साहू जी युवा प्रदेश मंत्री शैलेश साहू जी युवा जिला अध्यक्ष लखनऊ राम सेवक साहू जी मोहनलाल गुप्ता सोनू साहू, विनोद साहू, शिवसागर साहू, बबलू गुप्ता सनी साहू, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अर्चना साहू, महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती ज्योति साहू, पूर्व सभासद सतीश साहू , चक्रधर साहू, अजीत कुमार गुप्ता एडवोकेट, अजय गुप्ता एडवोकेट, संजीव राठौर एडवोकेट, सहित संगठन के पदाधिकारीगढ़ उपस्थित रहे क

रहीमाबाद में पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में मारपीट के दौरान एक युवक की मौत पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर परिजनों से पंचनामा भराकर पोस्टमार्टम के लिए लखनऊ भेजा

(जीएनएस)।

मलिहाबाद लखनऊ । राजधानी लखनऊ के थाना रहीमाबाद क्षेत्र में आज मंगलवार को मकान विवाद को लेकर एक साल से चल रहा विवाद हिंसक रूप ले लिया गाली-गलौज मार पीट ईंट पत्थर चलने की वजह से ओला चालक युवक की मौत हो गई परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है

ज्ञात हो कि रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ससपन के मजरे बख्तौरी पुर में एक साल से चल रहे मकान विवाद को लेकर सोमवार रात लगभग 9 बजे दोनों पक्षों में गाली-गलौज मार पीट व एक पक्ष की ओर से छत से ईंट चलने शुरू हो गई जिसके चलते ओला चालक अमन दीक्षित 34 वर्ष की मौत हो चुकी थी मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची रहीमाबाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया और मृतक के पिता सुशील दीक्षित की तहरीर पर पंकज दीक्षित मंजू दीक्षित नीरज दीक्षित सपना दीक्षित कल्पना दीक्षित विमलेश दीक्षित के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत कर आरोपी पंकज दीक्षित को हिरासत में ले लिया मृतक अमन दीक्षित की मां मनोरमा दीक्षित पत्नी रूबी दीक्षित बहन

खुशबू दीक्षित भाई बिपिन दीक्षित व भाई की पत्नी आरती दीक्षित सहित परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है

इंदिरा नगर के लाल बहादुर शास्त्री प्रथम वार्ड लवकुश नगर चौराहे पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी दलगातार जनता के हित के लिए कार्य कर रही है आज इसी क्रम में लवकुश नगर चौराहे पर सुबह 10 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक स्वास्थ्य शिविर स्वास्थ्य जांच कैंप लगाए गए ,

जिसमें सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया, साथ ही जो 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग व्यक्तियों का भी आयुष्मान कार्ड बनाया गया, इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए जिसमें त्रिलोक अधिकारी पार्षद भूपेंद्र शर्मा ,मंडल उपाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी,

व कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान देने वाले जितेंद्र

बाल्मीकि समाजसेवी जो भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता भी हैं, साथ में जगदीश अटल बाल्मीकि ने भी निभाई अहम भूमिका, नीलम त्रिपाठी मंडल मंत्री, विमल चौबे आदि लोग रहे मौजूद।।